

**DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY,
AURANGABAD.**



Circular / Acad Sec./Curriculum-12(7)/HF/CBCS-MA-II Yr/2023.

It is hereby inform to all concerned that, on the recommendation of Dean, Faculty of Humanities; **the Hon'ble Vice-Chancellor has accepted the following subject wise Revised Curriculum of Choice Based Credit & Grading System** under the faculty of Humanities in his emergency powers under Section 12 [7] of the Maharashtra Public University Act, 2016 on behalf of the Academic Council.

| Sr. No. | UG Subject wise Curriculum | Semesters |
|---------|-----------------------------------|--------------|
| 01. | M. A. Second Year [Marathi] | IIIrd & IVth |
| 02. | M. A. Revised Second Year [Hindi] | IIIrd & Ivth |

**This is effective from the Academic Year 2023-24 and Onwards
as per appended herewith.**

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University campus,
Aurangabad-431 004.
Ref. No. SU/Col. /PG/CBCS/ M.A.
II Yr/FH/ 2023/ 6032-41

Date: 19.07.2023.



**Deputy Registrar,
Academic.**

Copy forwarded with compliments to:-

- 1] **The Principal, all affiliated colleges,**
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
- 2] **The Director, University Network & Information Centre, UNIC,**
with a request to upload this Circular on University Website.

Copy to :-

- 1] **The Director, Board of Examinations & Evaluation,**
- 2] **The Section Officer, [M.A. Unit] Exam. Branch,**
- 3] The Section Officer, [Eligibility Unit],
- 4] The Programmer [Computer Unit-1] Examinations,
- 5] The Programmer [Computer Unit-2] Examinations,
- 6] The In-charge, [E-Suvidha Kendra],
- 7] The Public Relation Officer,
- 8] The Record Keeper,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.

---**---



Dr.Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad

**CBCGS PATTERN
M.A. Marathi Third and Fourth Semester**

Course Structure

Subject: Marathi

(Effective from 2023-24)


Dr. S. J. R. Joshi
Dean
Faculty of Humanities,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada
University, Aurangabad.


प्रा. सर्जेराव जिंगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाडा विद्यालयी, औरंगाबाद.



डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

CBCGS PATTERN

Class : M.A. II Year

Third Semester

Subject: Marathi

| Sr No | | Third Semester | | |
|---------------|-------|----------------|-------------|--|
| | | अध्यासपत्रिका | कोड क्रमांक | अध्यासपत्रिकेचे शीर्षक |
| १ | ९ वी | ३०१ | | वर्णनात्मक भाषाविज्ञान |
| | १० वी | ३०२ | | आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास १८१८ ते १९२० |
| २ | | | ३०३.१ | लोकसाहित्य |
| | | | ३०३.२ | तौलनिक साहित्य सिद्धांत |
| ३ | ११ वी | | ३०३.३ | मध्ययुगीन साहित्यकृतींचा विशेष अध्यास १. संत ज्ञानेश्वर - हरिपाठाचे अभंग २. रामचंद्रपंत अमात्य - आज्ञापत्र |
| ४ | १२ वी | | ३०४.१ | मध्ययुगीन धर्म-संप्रदाय भाग-१ ला (नाथ, महानुभाव, वीरशैव) |
| ५ | | | ३०४.२ | अनुवादविचार सैद्धांतिक आणि उपयोजन |
| ६ | | | ३०४.३ | मराठवाड्यातील आधुनिक साहित्य |
| एकूण श्रेयांक | | | | १६ |

१५
 डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
 डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
 औरंगाबाद.



डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

CBCGS PATTERN

Class : M.A. II Year

Fourth Semester

Subject: Marathi

| Fourth Semester | | | | |
|------------------------|----------------------|--------------------|---|-----------------|
| Sr No | अभ्यासपत्रिका | कोड क्रमांक | अभ्यासपत्रिकेचे शीर्षक | श्रेयांक |
| १ | १३ वी | ४०१ | मराठी भाषेचा इतिहास व समाजभाषाविज्ञान | ४ |
| | १४ वी | ४०२ | आयुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास १९२० ते २००० | ४ |
| | | ४०३.१ | लोकवाङ्मयप्रकार | |
| २ | | ४०३.२ | तौलनिक साहित्य कलाकृती आणि उपयोजन | |
| ३ | १५ वी | ४०३.३ | आयुनिक साहित्यकृतीचा विशेष अभ्यास १. लोकल ते ग्लोबल-राजन गवस २. वारूळ-बाबाराव मुसळे | ४ |
| ४ | | ४०४.१ | मध्ययुगीन संप्रदाय भाग-२ रा (वारकरी, दत्त, नागेश व सूफी) | |
| ५ | | ४०४.२ | मराठी व्याकरण | |
| ६ | १६ वी | ४०४.३ | समाकलीन साहित्य निवडक कलाकृती १. काळवाटा (कादंबरी) - उत्तम बावस्कर २. कदाचित अजूनही (कविता)-अनुराधा पाटील ३. देशोधडी (आत्मचरित्र) - नारायण भोसले | ४ |
| एकूण श्रेयांक | | | | १६ |

प्रा. ल.जे.राने
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास बऱ्हळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-तिसरे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

पायाभूत अभ्यासक्रम

३०१ - अभ्यासपत्रिका ९ वी - वर्णनात्मक भाषाविज्ञान

उद्दिष्ट:

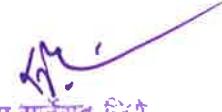
श्रेयांक - ४

१. भाषेविषयाचे भान सजग होण्यास मदत करणे.
२. भाषेच्या स्वरूपाची माहिती करून देणे.
३. भाषा उच्चाराच्या स्थानांची माहिती करून देणे.
४. भाषाभ्यासाच्या पद्धतीविषयीचे डोळस भान निर्माण करणे.
५. भाषाविज्ञानाशी संबंधित अभ्यास क्षेत्रांची ओळख करून देणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तास |
|-------|----------------------------------|--|----------|-----|
| १ | भाषेचे स्वरूप | १. भाषा म्हणजे काय ? २. भाषेची लक्षणे ३. भाषिक व्यवहाराचे स्वरूप ४. भाषिक आणि भाषेतर संप्रेषण ५. भाषिक व्यवस्था व भाषिक वर्तन (फर्दिनाद-सोस्यूर) ६. भाषिक क्षमता व भाषिक प्रयोग (नॉम चॉम्स्की) | १ | १५ |
| २ | स्वनविचार | १. स्वन - स्वनिम - स्वनांतर २. स्वनिम निश्चितीची तत्त्वे ३. स्वनिम विनियोगाचे प्रकार ४. ध्वनिसाम्यता व काटकसरीचे तत्त्व ५. स्वनिमाचे प्रकार ६. मराठी स्वनिम व्यवस्था ७. रूप-रूपिम - रूपिकांतर ८. वाक्यविन्यास ९. शब्दबंध, उपवाक्य , वाक्य- तीन रचना, प्रथमोपस्थित घटक, कार्यात्मक प्रवर्ग: कर्ता, कर्म, क्रियापद | १ | १५ |
| ३ | भाषाभ्यास पद्धती | १. भाषाभ्यास : स्वरूप व विशेष २. भाषाभ्यास पद्धती- ऐतिहासिक ३. तुलनात्मक ४. वर्णनात्मक | १ | १५ |
| ४ | भाषाविज्ञान व इतर अभ्यास क्षेत्र | १. मानववंश विज्ञान २. मनोविज्ञान ३. शैली विज्ञान ४. कोश विज्ञान | १ | १५ |

संदर्भ ग्रंथ:

१. श्री.ना. गजेंद्रगडकर - भाषा आणि भाषाशास्त्र, व्हीनस प्रकाशन, पुणे
२. मु.श्री. कानडे - मराठीचा भाषिक अभ्यास, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
३. कल्याण काळे, अंजली सोमण (संपा.) - वर्णनात्मक भाषाविज्ञान स्वरूप आणि पद्धती
४. ना.गो. कालेलकर - भाषा: इतिहास आणि भूगोल, मौज प्रकाशन, मुंबई
५. मिलिंद मालशे - भाषाविज्ञान: वर्णनात्मक आणि ऐतिहासिक, लोकवाङ्मय प्रकाशन, मुंबई



प्रा.सर्जेश्वर जिंदे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
हॉ. याबासाहेब आंदेडकर मराठदाढा विद्यार्थीठ,
औरंगाबाद.



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-तिसरे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

गाभाभूत अभ्यासक्रम

३०२ - अभ्यासपत्रिका १० वी - आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास १८१८ ते १९२०

उद्दिष्ट्ये :

श्रेयांक - ४

१. इ.स. १८१८ नंतरच्या वाङ्मय इतिहासाचा सर्वांगीन अभ्यास करणे.
२. इ.स. १८१८ ते १९२० या कालखंडाची सामाजिक, सांस्कृतिक पाश्वर्भूमी लक्षात घेणे.
३. विविध चळवळीचा वाङ्मयावरील प्रभावाचा अभ्यास करणे.
४. या कालखंडातील विविध प्रवाह महत्वाचे ग्रंथकार व त्यांच्या साहित्यकृतीचा अभ्यास करणे.
५. ऐतिहासिक घटना व कलाकृती यांचा संबंध लक्षात घेणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तास |
|-------|---|---|----------|-----|
| १ | भाषांतर युग (१८१८ ते १८७४) | १. भाषांतर युगातील कविता, स्वतंत्रप्रवृत्तीची कविता २. विष्णुदास भावे यांची नाट्यसंपदा व समकालीन नाटक ३. १८१८ ते १८७४ या कालखंडातील निबंध वाङ्मय ४. १८१८ ते १८७४ कालखंडातील कथा व कादंबरी | १ | १५ |
| २ | १८७४ ते १९२० या कालखंडातील नाटक | १. अण्णासाहेब किलोस्कर २. गो.ब. देवल ३. श्रीपाद कृष्ण कोल्हटकर ४. कृष्णाजी प्रभाकर खाडिलकर ५. राम गणेश गडकरी ६. अन्य नाटककार | १ | १५ |
| ३ | १८७४ ते १९२० या कालखंडातील कथा व कादंबरी | १. हरिभाऊ आपटे यांची कथा, करमणूकचे कार्य २. हरिभाऊ समकालीन कथाकार ३. हरिभाऊंची सामाजिक व ऐतिहासिक कादंबरी ४. नाथ माधव, वि.सी. गुर्जर, ना.ह. आपटे व या कालखंडातील अन्य कादंबरीकारांचा अभ्यास. | १ | १५ |
| ४ | १८७४ ते १९२० या कालखंडातील कविता, चरित्र व आत्मचरित्र | १. केशवसुत व केशवसुत संप्रदाय २. या कालखंडातील अन्य महत्वाचे कवी ३. या कालखंडातील चरित्र वाङ्मयाचा इतिहास ४. या कालखंडातील आत्मचरित्र वाङ्मयाचा इतिहास | १ | १५ |

संदर्भ ग्रंथ :

१. प्रदक्षिणा खंड दुसरा - कॉन्टेन्टल प्रकाशन, पुणे
२. अ.ना. देशपांडे - आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास - खंड पहिला व दुसरा, व्हीनस प्रकाशन, पुणे
३. वसंत बिरादार - आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास - कैलाश पब्लिकेशन, औरंगाबाद
४. जोशी प्र.न. - मराठी वाङ्मयाचा विवेचक अभ्यास, प्रसाद प्रकाशक, पुणे
५. बांदिवडेकर चंद्रकांत - मराठी कांदंबरीचा इतिहास, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे
६. जोग रा.श्री. (संपा.) - मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, खंड-५, भाग-१, म.सा.प., पुणे
७. प्रशांत चौधरी - समग्र मराठी वाङ्मयाचा इतिहास खंड १ ला, विद्या बुक्स पब्लिशर्स, औरंगाबाद

55
प्रा.सर्जेराव जिंगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
दॉ.शाहासाहेब ओवेंहॉल मराठवाडा विद्यार्पीठ,
औरंगाबाद.



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-तिसरे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

वैकल्पिक अभ्यासपत्रिका

३०३.१ - अभ्यासपत्रिका ११ वी - लोकसाहित्य

उद्दिष्ट्ये :

श्रेयांक - ४

१. लोकसाहित्याची साहित्य संकल्पना समजून सांगणे.
२. लोकसाहित्याच्या अभ्यासाचे महत्व लक्षात आणून देणे.
३. लोकसाहित्याच्या शास्त्रीय अभ्यासावर प्रकाश टाकणे.
४. लोकसाहित्यातून आलेल्या सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक जीवनाचा आढावा घेण्यास मदत करणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तास |
|-------|--|--|----------|-----|
| १ | लोकसाहित्याचे स्वरूप | १. लोकसाहित्य : संकल्पना २. लोकसाहित्याची परंपरा ३. लोकसाहित्याच्या अभ्यासाचे महत्व ४. लोकसाहित्याचा शास्त्रीय व आस्वादात्मक अभ्यास | १ | १५ |
| २ | लोकसाहित्य व समाजजीवन | १. आचार - विचार, चाली- रीती, रुढी - प्रथा - परंपरा २. लोकसाहित्य - विधी ३. लोकसमजूती ४. व्रत - वैकल्प्य, नवस सायास | १ | १५ |
| ३ | लोकसाहित्य - धार्मिक व सांस्कृतिक जीवन | १. लोकसंस्कृतीचे उपासक २. देव - देवता व लोकवाङ्मय ३. लोकसाहित्य व सण उत्सव ४. धर्म व लोकसाहित्य | १ | १५ |
| ४ | लोकसाहित्यातील प्रयोगसिध्द कला | १. लोकसंगीत २. लोकनृत्य ३. लोकनाट्य | १ | १५ |

संदर्भ ग्रंथ:

१. प्रभाकर मांडे - लोकसाहित्याचे स्वरूप, गोदावरी प्रकाशन, औरंगाबाद.
२. सरोजिनी बाबर - लोकसाहित्य आणि लोकसंस्कृती, महाराष्ट्र राज्य लोकसाहित्य समिती, पुणे
३. शरद व्यवहारे - लोकवाङ्मय रूप - स्वरूप, रजत प्रकाशन, औरंगाबाद
४. ढेरे रा. चिं. - मराठी लोकसंस्कृतीचे उपासक - पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे
५. भारत हंडीबाग - मराठी लोकगीतातील समाजदर्शन, चिन्मय प्रकाशन, औरंगाबाद.

प्रा. शर्जेल राव जिग्रो
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. शाहेब साहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,

गुरुवार, २०२३



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-तिसरे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

वैकल्पिक अभ्यासपत्रिका

३०३.२ - अभ्यासपत्रिका ११ वी - तौलनिक साहित्य सिद्धांत

उद्दिष्ट्ये :

श्रेणीक - ४

१. तौलनिक साहित्य संकल्पना समजून घेण्यास मदत होईल.
२. तौलनिक साहित्याचे सिद्धांत व मूलतत्वे सांगता येतील
३. सैद्धांतिक भूमिका आणि सिद्धांताचे उपयोजन याविषयी माहिती करून देण्यास मदत होईल
४. तौलनिक साहित्यात मराठीची आजची स्थिती व गती लक्षात घेण्यास मदत होईल.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेणीक | तास |
|-------|--|--|---------|-----|
| १ | तौलनिक साहित्य : संज्ञा सिद्धांत | १. तौलनिक साहित्य : व्याख्या व अर्थ २. तौलनिक साहित्याभ्यासाचा उदय व वाटचाल ३. तौलनिक साहित्याची वैशिष्ट्ये व व्यासी जुने व नवे तौलनिक साहित्य | १ | १५ |
| २ | तौलनिक साहित्याभ्यासाची मूलतत्वे आणि पद्धतीमीमांसा | १. तौलनिक साहित्याची मूलतत्वे २. तौलनिक साहित्याची पद्धतीमीमांसा ३. सैद्धांतिक मीमांसा आणि सिद्धांताचे उपयोजन ४. आंतरशाखीयत्व | १ | १५ |
| ३ | तुलनेचे सिद्धांत | १. जाणीवपूर्वक २. विवेचक ३. प्रणालीबद्ध ४. साहित्य प्रकार आणि तन्हांचे सिद्धांत | १ | १५ |
| ४ | मराठी तौलनिक साहित्याची स्थिती - गती | १. भारतीय तौलनिक साहित्य आणि त्याचा अध्यापनशास्त्रीय गर्भितार्थ. २. वर्गातील तौलनिक साहित्य स्वरूप आणि उपयोजन ३. मराठी तौलनिक साहित्य : आजची स्थिती आणि नव्या दिशा | १ | १५ |

संदर्भ ग्रंथ:

१. आनंद पाटील -तौलनिक साहित्य: नवे सिद्धांत आणि उपयोजन - साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद.
२. डॉ. निशिगंधा व्यवहारे - तौलनिक साहित्याभ्यास - संकल्पना व स्वरूप, उरुवेला प्रकाशन, हिंगोली
३. वसंत बापट - तौलनिक साहित्याभ्यासाची मूलतत्वे, मौज प्रकाशन, मुंबई
४. चंद्रशेखर जहागिरदार (संपा.) - तौलनिक साहित्याभ्यास तत्वे व दिशा, कॉन्ट्रिनेन्टल प्रकाशन, पुणे

प्रा. सर्जेराव जिंगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-तिसरे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

टैकल्पिक अभ्यासपत्रिका

३०३.३ - अभ्यासपत्रिका ११ वी - मध्ययुगीन साहित्यकृतीचा विशेष अभ्यास

१. संत ज्ञानेश्वर - हरिपाठाचे अभंग

२. रामचंद्रपंत अमात्य - आज्ञापत्र

उद्दिष्ट्ये :

त्र्योंक - ४

१. अभंग संकल्पना सांगता येईल.
२. हरिपाठाचे अभंग आशय व अभिव्यक्ती या दोन्ही अंगाने लक्षात येतील.
३. आज्ञापत्राचे अंतरंग न्याहाळताना राजाचे गुण प्रत्ययाला येतील.
४. आज्ञापत्राची आधुनिक काळीतील उपयुक्तता लक्षात येईल.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | त्र्योंक | तास |
|-------|--|--|----------|-----|
| १ | हरिपाठाचे अभंग: परिचय व स्वरूप | १. संत साहित्य २. अभंग संकल्पना ३. संत साहित्यात हरिपाठाच्या अभंगाचे महत्त्व ४. इतर संतांच्या हरिपाठ अभंगाचा स्थूल परिचय | १ | १५ |
| २ | संत ज्ञानेश्वरांचे - हरिपाठ अभंग | १. नामस्मरणाचे माहात्म्य २. संत संगती ३. इतर जाणिवा ४. हरिपाठाच्या अभंगाची भाषा | १ | १५ |
| ३ | आज्ञापत्राचे अंतरंग | १. लेखनकाल, प्रेरणा व आज्ञापत्राचे स्वरूप २. प्रस्तावनावजा प्रकरणे ३. राजाची कर्तव्य, प्रथान व साहुकारविषयक विचार ४. वतनदार, देशमुख यांच्याविषयीचे धोरण व दुर्ग आणि आरमारविषयक भूमिका | १ | १५ |
| ४ | आज्ञापत्राची उपयुक्ता , अभिव्यक्ती व वाड्मयीन मूल्यमापन | १. आज्ञापत्राची आधुनिक काळात उपयुक्ता २. भाषा, निवेदन ३. शैली ४. आज्ञापत्राचे वाड्मयीन मूल्यमापन | १ | १५ |

संदर्भ ग्रंथ:

१. नसिराबादकर ल.रा.- प्राचीन मराठी वाड्मयाचा इतिहास, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर
२. हेरवाडकर र.वि. - मराठी बखर - व्हीनस प्रकाशन, पुणे
३. देशपांडे अ.ना. - प्राचीन मराठी वाड्मयाचा इतिहास - (उत्तरार्ध) व्हीनस प्रकाशन, पुणे
४. <https://www.santsahitya.in/dnyaneshwar/sant-dnyaneshwar-maharaj-haripath/>

प्रा. सर्जेराव जिंगे

अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-तिसरे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

टैकल्पिक अभ्यासपत्रिका

३०४.१ - अभ्यासपत्रिका १२ वी - मध्ययुगीन धर्म-संप्रदाय भाग -१ ला
(नाथ, महानुभाव, वीरशैव)

उद्दिष्ट्ये :

श्रेणीक - ४

१. संप्रदाय ही संकल्पना लक्षात येण्यास मदत होईल.
२. महाराष्ट्रातील विविध संप्रदायाचा परिचय करून देण्यास मदत होईल.
३. महाराष्ट्रातील विविध संप्रदायांनी केलेली मराठी भाषेची सेवा याचा परिचय होईल.
४. विविध संप्रदायातील तत्त्वज्ञान लक्षात घेण्यास उपयोगी येईल.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेणीक | तास |
|-------|--------------------------------|--|---------|-----|
| १ | महाराष्ट्रातील धर्म व संप्रदाय | १. धर्म व संप्रदाय संकल्पना २. संप्रदायाचे महत्त्व ३. प्रमुख संप्रदायाचा परिचय ४. संप्रदायाचा प्रचार व व्यासी | १ | १५ |
| २ | नाथ संप्रदाय | १. नाथ संप्रदायाचे स्वरूप २. नाथ संप्रदायाचे तत्त्वज्ञान ३. नाथ संप्रदायातील उपास्य दैवते ४. नाथ संप्रदाय व इतर संप्रदाय | १ | १५ |
| ३ | महानुभाव संप्रदाय | १. महानुभाव संप्रदाय स्वरूप २. महानुभाव संप्रदायाची परंपरा ३. महानुभाव संप्रदायाचे तत्त्वज्ञान ४. महानुभाव संप्रदायाने केलेली मराठी सेवा | १ | १५ |
| ४ | वीरशैव | १. वीरशैव पार्श्वभूमी व स्वरूप २. वीरशैवचे मुख्य सिद्धांत ३. वीरशैवमधील संत मन्मथस्वामी यांचे योगदान ४. वीरशैव धर्म संप्रदायातील इतर महत्त्वाचे कवी | १ | १५ |

संदर्भ ग्रंथ:

१. शं.गो. तुळपुळे -महानुभाव पंथ आणि त्याचे वाङ्मय
२. विल. भावे -महाराष्ट्र सारस्वत
३. ल.रा पांगरकर -मराठी वाङ्मयाचा इतिहास

प्रा.सर्जेराव जिंगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-तिसरे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

टैकलिपिक अभ्यासपत्रिका

३०४.२ - अभ्यासपत्रिका १२ वी - अनुवाद विचार सैद्धांतिक आणि उपयोजन

उद्दिष्ट्ये :

श्रेयांक - ४

१. मराठी साहित्यातील अनुवादाविषयीची जाणीव निर्माण करणे.
२. अनुवादाच्या स्वरूपाची चर्चा करणे
३. अनुवादाच्या प्रकाराविषयी अवगत करणे.
४. अनुवाद प्रक्रियेतील घटकांचा अभ्यास करणे.
५. अनुवादित कलाकृतीचे स्वरूप लक्षात घेण्यास मदत होईल.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तास |
|-------|----------------------------------|---|----------|-----|
| १ | अनुवाद स्वरूप-प्रक्रिया व परंपरा | १. अनुवादाचे स्वरूप, सिद्धांत आणि व्याख्या २. अनुवादाची ऐतिहासिक परंपरा ३. मराठीतील अनुवादित साहित्याचे स्वरूप ४. अनुवाद व भाषांतर ५. अनुवाद शास्त्र, कला, कौशल्य | १ | १५ |
| २ | अनुवादाचे प्रकार | १. इयाडण्डने केलेले अनुवादाचे प्रकार २. माध्यमनिहाय, विषयनिहाय प्रकार ३. शब्दानुवाद, भावानुवाद, अर्थांनुवाद | १ | १५ |
| ३ | अनुवाद प्रक्रिया | १. अनुवाद प्रक्रियेतील विविध प्रारूपांचा परिचय २. अनुवाद प्रक्रियेतील शब्दकला, वाक्य, लिंग, पुरुष यांचा परिचय | १ | १५ |
| ४ | अनुवादित कलाकृती | १. समकालीन भारतीय कविता - 'कवितांजली'-(अनुवादक) -पृथ्वीराज तौर, हर्मीस प्रकाशन, पुणे | १ | १५ |

संदर्भ ग्रंथ:

१. सदा कळाडे - भाषांतर, लोकवाङ्मय गृह, मुंबई
२. विलास सारंग - भाषांतर आणि भाषा, मौज प्रकाशन, मुंबई
३. केशव तुपे (संपा.) - अनुवादमीमांसा, साक्षात प्रकाशन, औरंगाबाद
४. निशिकांत ठकार - भाषांतर, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद

प्रा. सर्जेराव जिंगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
ओरंगाबाद.



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-तिसरे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

टैकल्पिक अभ्यासपत्रिका

३०४.३ - अभ्यासपत्रिका १२ वी - मराठवाड्यातील आधुनिक साहित्य

उद्दिष्ट्ये :

श्रेणीक - ४

१. मराठवाडा भूप्रदेश व या प्रदेशाची प्रादेशिकता लक्षात येईल.
२. मराठवाड्यातील आधुनिक साहित्याचा स्थूल परिचय होईल.
३. मराठवाड्याच्या आधुनिक साहित्यातील निवडक कलाकृतीचे अंतरंग लक्षात येईल.
४. निवडक साहित्यकृतीच्या माध्यमातून मराठवाड्याचा भाषिक परिचय होईल.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेणीक | तास |
|-------|---|--|---------|-----|
| १ | मराठवाडा भूप्रदेश व साहित्य | १. मराठवाडा भू - प्रदेश २. मराठवाड्याचे सांस्कृतिक जीवन ३. मराठवाड्याची भाषा ४. मराठवाड्यातील आधुनिक साहित्य | १ | १५ |
| २ | 'आंतरभेग' (कथा)- सुरेंद्र पाटील | १. 'आंतरभेग' मधील जाणिवा २. मानवतावाद ३. वास्तवता ४. विलोभवीय लेखनशीली | १ | १५ |
| ३ | 'नीतिधुरंधर बाळासाहेब पवार' (चरित्र) - महावीर जोंधळे, हर्मीस प्रकाशन , पुणे | १. बाळासाहेब पवार यांचे विविधांगी व्यक्तिमत्त्व २. 'नीतिधुरंधर' ची अभिव्यक्ती ३. चरित्र म्हणून मूल्यमापन ४. पृथगात्मकता | १ | १५ |
| ४ | 'बॉडअली' (कादंबरी) - छवुराव भांडवलकर (संवित प्रकाशन, नाशिक) | १. 'बॉडअली'तील कृषीजीवन व प्रश्न २. 'बॉडअली'तील व्यक्तिरेखा ३. ग्रामजीवन ४. कादंबरी म्हणून मूल्यमापन | १ | १५ |

प्रा. सर्जेराव जिंगे
अध्यक्ष, मराठी अन्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.

एम.ए. द्वितीय वर्ष (मराठी)
सत्र चौथे



डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-चौथे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

पायाभूत अभ्यासक्रम

४०१ - अभ्यासपत्रिका १३ वी - मराठी भाषेचा इतिहास व समाजभाषाविज्ञान

उद्दिष्ट्ये :

श्रेयांक - ४

१. मराठी भाषेचा इतिहास लक्षात घेण्यास मदत होईल.
२. समाज, संस्कृती व भाषा यातील परस्पर संबंध लक्षात घेण्यास मदत होईल.
३. जगातील प्रमुख भाषाकुलांचा परिचय करून देण्यास मदत होईल.
४. मराठी प्रमाणभाषेबरोबरच इतर बोलींचा अभ्यास करण्यास मदत होईल.
५. मराठीवरील अन्य भाषेचा प्रभाव उलगळून दाखवण्यास मदत होईल.
६. समाजभाषाविज्ञानातील विविध संकल्पना समजण्यास मदत होईल.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तास |
|-------|-------------------------------|---|----------|-----|
| १ | मराठी भाषेचा इतिहास | १. मराठी भाषेचा कालक्रमिक इतिहास २. भाषाकुल संकल्पना ३. भाषांचे वर्गीकरण आणि जगातील प्रमुख भाषाकुले ४. इंडो-युरोपियन भाषाकुल ५. आर्यभारतीय भाषाकुल ६. अंतर्वर्तुल व बहिर्वर्तुल सिद्धांत आणि मराठी | १ | १५ |
| २ | समाजभाषाविज्ञान | १. समाजभाषाविज्ञानाचे महत्त्व २. समाज, संस्कृती व भाषा यांचा सहसंबंध ३. भाषिक सापेक्षतावाद आणि न्यूनसिद्धांत ४. समाजभाषाविज्ञानातील विविध संकल्पना (भाषिक भांडार, भाषिक प्रभावक्षेत्र, भाषिकसंपर्क, भाषाव्यवहार, द्वैभाषिकता, बहुभाषिकता, भाषामिश्रण, भाषाबदल, भाषानिषिद्धता, भाषाशुद्धी, भाषाप्रदूषण, स्त्रियांची व पुरुषांची भाषा) | १ | १५ |
| ३ | प्रमाणभाषा आणि बोली | १. भाषाविज्ञान आणि बोली भूगोल २. पिजिन व क्रिअॅल भाषा संकल्पना ३. बोलीनिर्मितीची कारणे व विशेष ४. बोलीचा अभ्यास (कोकणी, अहिराणी, वळ्हाडी, मराठवाडी) | १ | १५ |
| ४ | मराठीवरील अन्य भाषांचा प्रभाव | १. भाषिक संक्रमण, आदान - प्रदानाचे स्वरूप व कारणे २. मराठीवर द्राविडी (कन्नड, तेलगू, तामीळ) संस्कृत, फार्शी, इंग्रजी व हिंदी या भाषांचा प्रभाव | १ | १५ |

संदर्भ ग्रंथ :

१. ग्रामोपाध्ये गं.बा. - भाषाविचार आणि मराठी भाषा, व्हीनस प्रकाशन, पुणे
२. मु.श्री. कानडे - मराठी भाषिक अभ्यास, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
३. श्री.ना. गर्जेंद्रगडकर - भाषा आणि भाषाशास्त्र, व्हीनस प्रकाशन, पुणे
४. रमेश धोंगडे - सामाजिक भाषाविज्ञान, दिलीपराज प्रकाशन, पुणे

प्रा.सर्जेंद्राव जिंगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-चौथे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

गाभाभूत अभ्यासक्रम

४०२ – अभ्यासपत्रिका १४ वी – आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास १९२० ते २०००

उद्दिष्ट्ये :

श्रेयांक - ४

१. इ.स. १९२० नंतरच्या इतिहासाचा अभ्यास करणे,
२. या कालखंडातील विविध वाङ्मय प्रकार लेखना पाठीमागच्या प्रेरणा व प्रवृत्ती लक्षात घेण्यास मदत होईल.
३. मराठी संस्कृती व साहित्याशिवाय इतर संस्कृती व साहित्याचा झालेला परिचय आणि त्याचा मराठी साहित्यावरील प्रभाव लक्षात घेण्यास मदत होईल.
४. या कालखंडातील विविध प्रवाह महस्त्वाचे ग्रंथकार व त्यांच्या साहित्यकृतीचा अभ्यास करता येईल.
५. ऐतिहासिक घटना व कलाकृती याचा विचार लक्षात घेता येईल.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तास |
|-------|---------------|---|----------|-----|
| १ | कविता | १. १९२० ते १९४५ या कालखंडातील कविता २. १९४५ च्या नंतरच्या कालखंडातील अवस्थांतर - नवकाव्य ३. नव कवितेनंतरची कविता ४. विविध प्रवाहातील कविता - ग्रामीण, दलित, आदिवासी, स्त्रीवादी ५. १९६० ते २००० या कालखंडातील विविध प्रकृतीची कविता. | १ | १५ |
| २ | नाटक | १. मराठी नाट्य वाङ्मयाचा दुसरा कालखंड १९२० ते १९५० २. मराठी नाट्य वाङ्मयाचा तिसरा कालखंड १९५० नंतरच्या कालखंड (नाट्यमंवंतर, शेक्सपियर व इब्सेन नाट्यतंत्राचा प्रभाव यासह) ३. साठोत्तरी विविध प्रवाहातील नाटक ४. नाट्यलेखनावर पडलेल्या विविध तंत्रांचा प्रभाव | १ | १५ |
| ३ | कथा व कादंबरी | १. यशवंत रत्नाकर कालखंड २. १९२० ते १९४५ या कालखंडातील कथा अन्य कथाकार ३. नवकथेची चाहूल ४. सत्यकथा, अभिरूची युग, नवकथा ५. नवकथेनंतरची कथा, विविध प्रवाहातील कथा (इ.स. २००० पर्यंत) ६. १९२० ते १९४५ या कालखंडातील कादंबरी (फडके-खांडेकर युग) ७. कादंबरी संकल्पनेत १९४५ नंतर झालेले बदल ८. १९६० ते २००० या कालखंडातील कादंबरी | १ | १५ |

| | | | | |
|---|---------------------------------------|--|---|----|
| ४ | निबंध,आत्मकथन व अन्य वाङ्मय प्रकार | १. १९२० पासूनचा निवंध वाङ्मय इतिहास २. या कालखंडातील आत्मकथनांचा परिचय ३. प्रवासवर्णने, चरित्रलेखन ४. ललित निवंध, ललित गद्य | १ | १५ |
|---|---------------------------------------|--|---|----|

संदर्भ ग्रंथ:

- प्रदक्षिणा खंड दुसरा - कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे
- अ.ना. देशपांडे - आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास - खंड पहिला व दुसरा, व्हीनस प्रकाशन, पुणे
- वसंत बिरादार - आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास - कैलाश पब्लिकेशन, औरंगाबाद
- जाशी प्र.न. - मराठी वाङ्मयाचा विवेचक अभ्यास, प्रसाद प्रकाशक, पुणे
- बांदिवडेकर चंद्रकांत - मराठी कादंबरीचा इतिहास, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे
- जोग रा.श्री. (संपा.) - मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, खंड-५, भाग-१, म.सा.प., पुणे


 प्रा. शरद जिगो
 अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
 डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विधायीठ,
 औरंगाबाद.



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-चौथे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

वैकल्पिक अभ्यासपत्रिका

४०३.१ - अभ्यासपत्रिका १५ वी - लोकवाङ्मयप्रकार

उद्दिष्ट्ये :

श्रेयांक - ४

१. लोकवाङ्मयप्रकाराची संकल्पना समजून सांगणे.
२. लोकसाहित्याच्या अभ्यासाचे महत्त्व लक्षात आणून देणे.
३. लोकसाहित्याच्या विविध प्रकारावर प्रकाश टाकणे.
४. लोकवाङ्मयातील विविध प्रकारातून आलेल्या सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक जीवनाचा आढावा घेण्यास मदत करणे

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तास |
|-------|------------------------------|--|----------|-----|
| १ | लोकगीत : परंपरा व स्वरूप | १. लोकगीत : संकल्पना, स्वरूप विशेष व परंपरा २. लोकगीतांचे प्रकार ३. लोकगीते आणि वोलीभाषा ४. लोकगीते आणि लौकिकगीते | १ | १५ |
| २ | लोककथागीते | १. लोककथागीत : संकल्पना, स्वरूप विशेष व परंपरा २. लोककथागीतांचे वर्गीकरण ३. पौराणिक व भगतांची लोककथागीते ४. शौर्यात्मक व संकीर्ण लोककथागीते | १ | १५ |
| ३ | लोककथा : परंपरा व स्वरूप | १. लोककथा : संकल्पना, स्वरूप विशेष व परंपरा २. लोककथेची उत्पत्ती ३. लोककथांचे वर्गीकरण ४. लोककथेतील रसपरिपोष | १ | १५ |
| ४ | लोकनाट्य, म्हणी व वाक्प्रचार | १. लोकनाट्य स्वरूप - विशेष व प्रकार २. म्हणीचे स्वरूप - विशेष ३. वाक्प्रचार स्वरूप - विशेष ४. म्हणीचे प्रकार | १ | १५ |

संदर्भ ग्रंथ:

१. प्रभाकर मांडे - लोकसाहित्याचे स्वरूप, गोदावरी प्रकाशन, औरंगाबाद.
२. सरोजिनी बाबर - लोकसाहित्य आणि लोकसंस्कृती, महाराष्ट्र राज्य लोकसाहित्य समिती, पुणे
३. शरद व्यवहारे - लोकवाङ्मय रूप - स्वरूप, रजत प्रकाशन, औरंगाबाद
४. ढेरे रा.चिं. - मराठी लोकसंस्कृतीचे उपासक - पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे
५. भारत हंडीबाग - मराठी लोकगीतातील समाजदर्शन, चिन्मय प्रकाशन, औरंगाबाद.

प्रा. सर्जेराव जिंगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास गँडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ.



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-चौथे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

टैकलिपक अभ्यासपत्रिका

४०३.२ - अभ्यासपत्रिका १५ वी - तौलनिक साहित्य कलाकृती आणि उपयोजन

उद्दिष्ट्ये :

श्रेयांक - ४

१. तौलनिक साहित्याभ्यासाच्या पद्धतीचे प्रयोजन व महत्त्व लक्षात येईल.
२. तौलनिक साहित्याभ्यासाची साधने सांगता येतील.
३. कलाकृतीतील साम्यस्थळांचा शोध घेता येईल
४. तौलनिकतेमुळे दोन कलाकृतीतील भेद नेमकेपणाने सांगता येईल.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तास |
|-------|--|---|----------|-----|
| १ | तौलनिक साहित्याभ्यासाच्या पद्धती : महत्त्व व प्रयोजन | १. तौलनिक साहित्य : प्रयोजन २. तौलनिक साहित्याभ्यासाची साधने ३. तौलनिक साहित्याभ्यासाचे महत्त्व ४. तौलनिक साहित्याचे निकष | १ | १५ |
| २ | तौलनिक साहित्याभ्यास: 'कोल्हाट्याचं पोर' व 'अक्करमाशी' यातील साम्यस्थळे | १. दारिद्र्यशोषण २. अनौरसता व उपेक्षितपणा ३. संघर्ष ४. आत्मकथन, जातीचे चटके व अन्य जाणिवेच्या अनुषंगाने साम्य स्थळांची तुलना | १ | १५ |
| ३ | तौलनिक साहित्याभ्यास: 'कोल्हाट्याचं पोर' व 'अक्करमाशी' यातील भेद | १. अनुभवविश्व २. सभोवतालचे सामाजिक व सांस्कृतिक पर्यावरण ३. शैक्षणिक भिन्नता ४. आत्मकथनांचा पृथगात्म समारोप व अन्य वाबी | १ | १५ |
| ४ | भाषिक अंगाने साम्य व भेद | १. दोन्ही कलाकृतीत जाणवणारी निवेदन पातळीवरची साम्य भेद स्थळे २. संवाद यादृष्टीने साम्य - भेद ३. म्हणी - वाक्प्रचार, अभ्यास्त शब्द ४. अन्य भाषिक विशेषातील साम्य भेद | १ | १५ |

संदर्भ गंध:

१. आवंद पाटील -तौलनिक साहित्य: नवे सिद्धांत आणि उपयोजन - साकेत प्रकाशन ,पुणे
२. निशिगंधा व्यवहारे -तौलनिक साहित्याभ्यास - संकल्पना व स्वरूप ,उरुवेला प्रकाशन,हिंगोली
३. वसंत बापट तौलनिक साहित्याभ्यासाची मूलतत्त्वे,मौज प्रकाशन ,मुंबई

४. (संपा.) चंद्रशेखर जहागिरदार - तौलनिक साहित्याभ्यास तत्त्वे व दिशा - कॉन्टेन्टल प्रकाशन, पुणे.
५. निशिकांत मिरजकर - 'तौलनिक साहित्य', प्रतिमा प्रकाशन, पुणे.
६. वसंत बाणी - तौलनिक साहित्याभ्यास', मौज प्रकाशन, पुणे..


 प्रा. सर्जेराव जिगे
 अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
 हो. बाबासाहेब अंवेहकर मराठवाडा विद्यापीठ,
 औरंगाबाद.



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-चौथे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

वैकल्पिक अभ्यासपत्रिका

४०३.३ - अभ्यासपत्रिका १५ वी - आधुनिक साहित्यकृतींचा विशेष अभ्यास

१. लोकल ते ग्लोबल - राजन गवस

२. वारूळ - बाबाराव मुसळे

उद्दिष्ट्ये :

श्रेयांक - ४

१. आधुनिक साहित्यकृतीच्या माध्यमातून साहित्यकृतीतील भावविश्व लक्षात येईल .
२. कलाकृतीचे वाड्याच्या इतिहासात स्थान अधोरोखित करता येईल .
३. निवडक कलाकृतीतील भाषिक रुपे लक्षात येतील.
४. निवडक कलाकृतीचे पृथगात्म रूप उलगङ्गन दाखवता येईल.
५. कलाकृतीचा आशय व अभिव्यक्तीच्या अनुषंगाने साकल्याने विचार करता येईल .

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तास |
|-------|--------------------------------|--|----------|-----|
| १ | 'लोकल ते ग्लोबल' चे अंतरंग | १. कथानक २. पात्रसृष्टी ३. शीर्षकाची अन्वयार्थकत ४. घटना - प्रसंग , वाड्ययीन विशेष | १ | १५ |
| २ | 'लोकल ते ग्लोबल' ची अभिव्यक्ती | १. निवेदन व संवाद २. रसानुकूल भाषा ३. म्हणी , वाक्प्रचार , सुभाषिते आदींचा विचार ४. शैली | १ | १५ |
| ३ | 'वारूळ' चे अंतरंग | १. गावकी , भावकी व जातीसंघर्ष २. दोन पिढ्यांमधील मानसिक व भावनिक अवस्थांतराचे संघर्षमय चित्रण ३. मातंग समाज व पौराणिक संदर्भ ४. 'वारूळ' मधील विविध जाणिवा व अन्य बाबी | १ | १५ |
| ४ | 'वारूळ'ची अभिव्यक्ती | १. प्रगल्भता व परिणामकारकता २. पात्रगत भाषाशैली ३. निवेदन व संवाद ४. अन्य भाषिक रुपे | १ | १५ |

प्रा. सर्जेराव जिंगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-चौथे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

टैकल्पिक अभ्यासपत्रिका

४०४.१ - अभ्यासपत्रिका १६ वी - मध्ययुगीन संप्रदाय भाग - २ रा

(वारकरी, दत्त, नागेश व सूफी)

उद्दिष्ट्ये :

श्रेयांक - ४

१. वारकरी, दत्त, नागेश व सूफी संप्रदायाचे स्वरूप लक्षात येईल.
२. वारकरी संप्रदायाच्या लोकप्रियतेची कारणे लक्षात येतील.
३. विविध संप्रदायाचा समाज व संस्कृतीवरील प्रभाव लक्षात येईल.
४. वारकरी, दत्त, नागेश व सूफी संप्रदायातील मराठी साहित्यसंपदेवर प्रकाश टाकता येईल.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तास |
|-------|-----------------|--|----------|-----|
| १ | वारकरी संप्रदाय | १. संत साहित्याचे स्वरूप २. लोकप्रियता ३. संस्कृतीवरील व समाजजीवनावरील प्रभाव ४. वारकरी संप्रदायाची मराठी सेवा | १ | १५ |
| २ | दत्त संप्रदाय | १. दत्त संप्रदायाचे परिचय २. दत्त संप्रदायातील अवतार ३. दत्त संप्रदायाचा विस्तार ४. दत्त संप्रदाय व साहित्य | १ | १५ |
| ३ | नागेश संप्रदाय | १. नागेश संप्रदाय पार्श्वभूमी २. नागेश संप्रदायाचे स्वरूप ३. नागेश संप्रदायातील साहित्यसंपदा | १ | १५ |
| ४ | सूफी संप्रदाय | १. सूफी संप्रदाय पार्श्वभूमी २. सूफी संप्रदायाचे स्वरूप ३. हिंदू-मुस्लिम ऐक्यात सूफी संप्रदायाचे योगदान ४. सूफी संप्रदायाचे मराठी साहित्य | १ | १५ |

संदर्भ ग्रंथ:

१. श.गो. तुळपुळे - महानुभाव पंथ आणि त्याचे वाङ्मय
२. वि.ल. भावे - महाराष्ट्र सारस्वत
३. ल.रा पांगरकर - मराठी वाङ्मयाचा इतिहास
४. रा. चिं. ढेरे - दत्त संप्रदायाचा इतिहास, पुणे, १९६४

प्रा.सर्जेराव जिंगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
औरंगाबाद.



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-तिसरे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

वैकल्पिक अभ्यासपत्रिका

४०४.२ - अभ्यासपत्रिका १६ वी - मराठी व्याकरण

उद्दिष्ट्ये :

श्रेयांक - ४

१. वर्णविचार व शब्दांच्या जाती लक्षात येण्यास मदत होईल.
२. विभक्तीविचार व त्याचे कारकार्थ प्रत्ययाला येतील.
३. लिंगविचार समजून घेण्यास मदत होईल.
४. संधी व समास प्रकारासह समजून घेण्यास मदत होईल.
५. समग्र अलंकारविचार समजण्यास मदत होईल.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तास |
|-------|-----------------------------|---|----------|-----|
| १ | वर्णविचार व शब्दांच्या जाती | १. वर्ण - अर्थ व प्रकार २. वर्णांची उच्चारणस्थाने ३. शब्दांच्या जाती प्रकारासह ४. शब्दांची आवृत्ती | १ | १५ |
| २ | विभक्तीविचार व लिंगविचार | १. विभक्तीचा अर्थ २. विभक्तीचे प्रत्यय व मुख्य कारकार्थ ३. विभक्ती अर्थावरून का प्रत्ययावरून यावरील चर्चा ४. लिंगविचार प्रकारासह | १ | १५ |
| ३ | संधी व समास | १. संधी, समास अर्थ २. संधी व समासाचे सर्व प्रकार ३. समासविषयक इतर काही महत्वाच्या बाबी | १ | १५ |
| ४ | भाषेचे अलंकार | १. भाषेचे अलंकार अर्थ २. शब्दालंकार व त्याचे उपप्रकार ३. अर्थालंकार व त्याचे उपप्रकार | १ | १५ |

संदर्भ ग्रंथ:

१. मो. रा वाळंबे -सुगम मराठी व्याकरण व लेखन
२. बाबासाहेब शिंदे -परिपूर्ण मराठी व्याकरण
३. विनायक गंधे व सौ.मीरा जोशी -मराठी व्याकरण आणि लेखन


प्रा. सर्जेराव जिंगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
३०८००४०४०३.



डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

एम.ए. मराठी द्वितीय वर्ष, सत्र-चौथे

CBCS पद्धतीनुसार जून २०२३ पासून लागू

वैकल्पिक अभ्यासपत्रिका

४०४.३ - अभ्यासपत्रिका १६ वी - समकालीन साहित्य

निवडक कलाकृती

१. काळवाटा (काढंबरी) - उत्तम बावस्कर
२. कदाचित अजूनही (कविता) - अनुराधा पाटील
३. देशोधडी (आत्मचरित्र) - नारायण भोसले

उद्दिष्ट्ये :

श्रेणीक - ४

१. समकालीन साहित्याची संकल्पना स्पष्ट करता येईल .
२. कलाकृतीचे वाङ्याच्या इतिहासात स्थान अधोरेखित करता येईल .
३. समकालातील निवडक कलाकृतीतील भाषिक रूपे लक्षात येतील.
४. निवडक कलाकृतीचे पृथगात्म रूप उलगळून दाखवता येईल.
५. समकालीन कलाकृतीचा आशय व अभिव्यक्तीच्या अनुषंगाने साकल्याने विचार करता येईल.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेणीक | तास |
|-------|---------------------------------|---|---------|-----|
| १ | समकालीन साहित्याचे स्वरूप | १. समकालीन साहित्य - संकल्पना २. समकालीन साहित्याचे स्वरूप - विशेष ३. समकाल व साहित्यकृती | १ | १५ |
| २ | 'काळवाटा' - उत्तम बावस्कर | १. आशय २. पात्रसृष्टी ३. समकालातील संदर्भ ४. निवेदन व संवाद व अन्य भाषिक विशेष | १ | १५ |
| ३ | 'कदाचित अजूनही' - अनुराधा पाटील | १. 'कदाचित अजूनही' मधील जाणिवा २. वैविध्यपूर्ण कविता ३. समकालातील संदर्भ ४. कवितेची भाषा | १ | १५ |
| ४ | 'देशोधडी' - नारायण भोसले | १. कथानक २. संघर्षात्मकता ३. निवेदन व संवाद ४. अन्य भाषिक रूपे | १ | १५ |

प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष मराठी अभ्यास यंडल,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
नागरिकगड.